आचरण-रहित विचार कितने ही अच्छे क्यों न हों, उन्हें खोटे मोती की तरह समझना चाहिए।"
- गांधीजी

"जैसा चित्त में है, वैसी वाणी है। जैसा वाणी में है, वैसी ही क्रियाएँ हैं। सज्जनों के चित्त, वाणी और क्रिया में एकरूपता होती है।"

"वस्तुतः जिनकी अन्तरात्मा में आचरण की दृढ़ता रहती है वे ही विचार में निर्भीक और स्पष्ट होते हैं।" - हजारीप्रसाद द्विवेदी

"पढ़ना एक गुना, चिन्तन दो गुना, आचरण चौगुना।" - ह. विनोबा भावे

"ज्ञानपूर्वक होने वाला आचरण ही व्यक्ति को लक्ष्य की दिशा में अग्रसर कर सकता है।" - आचार्य तुलसी

"आत्मा का वास्तविक आनंद कर्मशीलता है।"

"महान आदर्श ही महान मस्तिष्क की रचना करते हैं।"

"ज्ञान का लक्ष्य सत्य है और सत्य आत्मा की भूख है।" - लैसिंग

"यदि उद्देश्य शुभ न हो, तो ज्ञान पाप हो जाता है।"
- पोप

"आशा से प्रफुल्ल होकर यात्रा करना, लक्ष्य तक पहुँच जाने से बेहतर है।"
- जेम्स जीन्स

"शब्दों की अपेक्षा कर्म अधिक अच्छा उपदेश देते हैं।" - स्वामी रामतीर्थ

"बुराई से असहयोग करना मानव का पवित्र कर्तव्य है।" - गांधी जी

"कर्तव्य कठोर होता है, भावप्रधान नहीं।"
- जयशंकर प्रसाद

"मनुष्य के कर्म ही उसके विचारों की सर्वश्रेष्ठ व्याख्या है।"